

## अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन सहकारी विकास के लिए एक स्तंभ

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) एक वैश्विक संगठन है जो दुनिया भर में सहकारी समितियों को एकजुट करता है, उनका प्रतिनिधित्व करता है और उनकी सेवा करता है।

1895 में लंदन, इंग्लैंड में प्रथम सहकारी कांग्रेस के दौरान स्थापित यह सबसे पुराने और सबसे बड़े गैर-सरकारी संगठनों में से एक है, जो वैश्विक स्तर पर 1 अरब सहकारी सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

दुनिया भर में लगभग 30 लाख सहकारी समितियों के साथ, आईसीए सहकारी आंदोलन के लिए शीर्ष निकाय के रूप में कार्य करता है। यह सहयोग, ज्ञान के आदान-प्रदान और समन्वित कार्रवाई के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करता है। यह सहकारी समितियों की अग्रणी आवाज़ है, जो उनके हितों की वकालत करती है और पूरे क्षेत्र में विशेषज्ञता साझा करती है। अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) के 105 देशों में 306 से अधिक सदस्य संगठन हैं।

इसके सदस्यों में कृषि, बैंकिंग, उपभोक्ता सामान, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य, आवास, बीमा और उद्योग और सेवाओं जैसे आर्थिक क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सहकारी संगठन शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन (आईसीए) ने सबसे पहले 1960 में दक्षिण-पूर्व एशिया के लिए क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षा केंद्र की स्थापना के साथ एशिया-प्रशांत क्षेत्र में विस्तार किया। यह 1948 से शुरू होने वाले विभिन्न आईसीए कांग्रेस में हुई चर्चाओं का परिणाम था। इसका उद्देश्य विकासशील देशों के राष्ट्रीय सहकारी आंदोलनों को वैश्विक सहकारी नेटवर्क के करीब लाना था। चर्चाओं में यह भी पता लगाया गया कि इन देशों में सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए सहयोग कैसे एक उपकरण हो सकता है।

1954 में पेरिस में आयोजित आईसीए की 19वीं कांग्रेस ने एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें विशेष रूप से विकसित देशों में स्थापित सहकारी आंदोलनों की जिम्मेदारी में बताया गया, ताकि अविकसित देशों में सहकारी अग्रदूतों का समर्थन किया जा सके। प्रस्ताव में इन क्षेत्रों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में सहयोग की भूमिका पर बल दिया गया और सहयोग के प्रसार को सुविधाजनक बनाने और आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक कार्रवाई योग्य कार्यक्रम तैयार करने की सिफारिश की गई।

### 2024 आईसीए वैश्विक सम्मेलन

2024 आईसीए वैश्विक सम्मेलन एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा क्योंकि यह आयोजन के 130 साल के इतिहास में पहली बार भारत में हो रहा है! यह सम्मेलन नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इसमें दुनिया भर के सहकारी नेता सभी के लिए एक सामूहिक, शांतिपूर्ण और समृद्ध भविष्य को आकार देने में सहकारी समितियों की भूमिका का पता लगाने के लिए एक साथ आएंगे।

सम्मेलन का विषय "सहकारिता सभी के लिए समृद्धि का निर्माण करती है" सहकारी समितियों की जन-केंद्रित, उद्देश्य-संचालित और प्रगति-उन्मुख प्रकृति के बारे में बताता है।



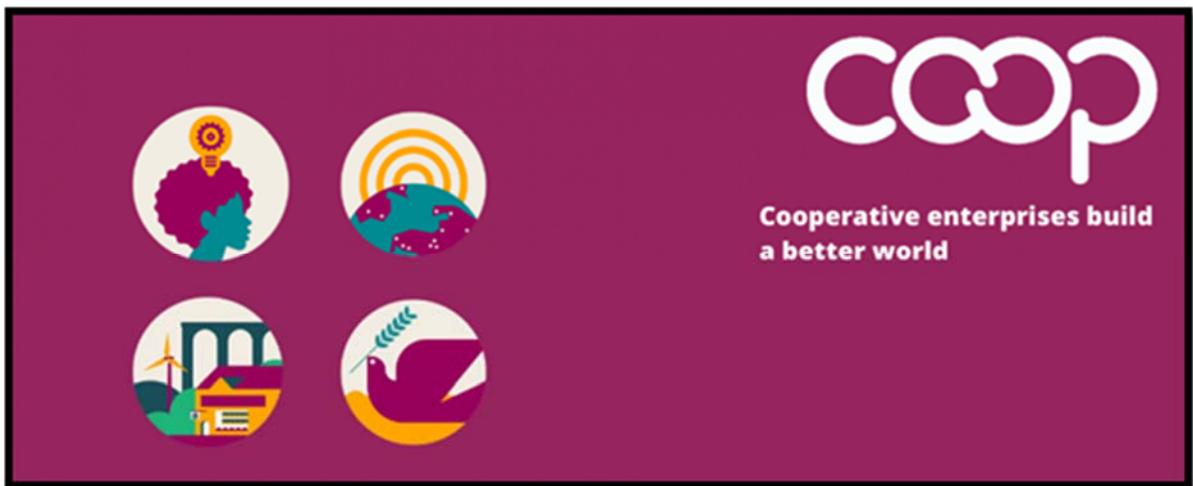
### आईसीए-एशिया प्रशांत (आईसीए-एपी) के विकास में भारत की भूमिका

भारत अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन एशिया-प्रशांत (आईसीए-एपी) के विकास और सफलता में एक केंद्रीय भूमिका में रहा है। 1960 में नई दिल्ली में आईसीए के क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना से लेकर वैश्विक सहकारी आंदोलन में इसके निरंतर प्रभाव तक, भारत न केवल एक प्रमुख सदस्य रहा है, बल्कि सहकारी मॉडल को आकार देने में एक प्रेरक शक्ति भी रहा है, जिसका एशिया-प्रशांत क्षेत्र में गहरा प्रभाव पड़ा है।

### डॉ. जी. केलर का इक्स्प्लोरटोरी दौरा और भारत में आईसीए क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना

1957 में आईसीए के कहने पर स्वीडिश सहकारी विशेषज्ञ डॉ. जी. केलर ने भारत सहित कई एशियाई देशों में इक्स्प्लोरटोरी दौरा किया। उनका मिशन सहकारी विकास के लिए क्षेत्र की ज़रूरतों का आकलन करना और आईसीए के हस्तक्षेप की संभावना का मूल्यांकन करना था। डॉ. केलर ने पाकिस्तान, भारत, श्रीलंका (तब सीलोन), सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, बर्मा, थाईलैंड, हांगकांग, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों का दौरा किया। यहाँ उन्होंने सहकारी संगठनों, सरकारों और संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों सहित प्रमुख हितधारकों के साथ विचार-विमर्श किया।

1958 में कुआलालंपुर सम्मेलन में उनके निष्कर्षों और उसके बाद हुए परामर्शों के आधार पर आईसीए ने भारत में नई दिल्ली में अपना क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षा केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया। यह दक्षिण और पूर्वी एशिया दोनों में सहकारी विकास को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण कदम था।



आईसीए क्षेत्रीय कार्यालय के लिए मेजबान देश के रूप में भारत की भूमिका न केवल अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण महत्वपूर्ण थी, बल्कि सहकारी सिद्धांतों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के कारण भी महत्वपूर्ण थी। इस निर्णय ने भारत के लिए आईसीए-एपी के विकास और क्षेत्र में इसकी गतिविधियों में आधारशिला बनने का मार्ग प्रशस्त किया।

### आईसीए क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षा केंद्र का आधिकारिक लोकार्पण

14 नवंबर 1960 को आईसीए क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षा केंद्र (आईसीए आरओईसी) का आधिकारिक उद्घाटन भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने नई दिल्ली में किया था। नेहरू सहकारिता आंदोलन के प्रबल समर्थक थे और उन्होंने भारत के ग्रामीण विकास का समर्थन करने की इसकी क्षमता को पहचाना। उनकी भागीदारी भारत के सामाजिक-आर्थिक लक्ष्यों और सहकारी मॉडल के बीच गहरे संबंध का प्रतीक थी।

अपने उद्घाटन भाषण में नेहरू ने राष्ट्रीय आत्मनिर्भरता और सामाजिक समानता प्राप्त करने के लिए सहयोग के महत्व पर बल दिया। भारत के लिए उनका दृष्टिकोण आईसीए के लक्ष्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ था, जो सामाजिक-आर्थिक विकास और समानता को बढ़ावा देने में सहकारी समितियों की भूमिका को मजबूत करता है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेहरू के नेतृत्व और उपनिवेशवाद के बाद के युग में एकता को बढ़ावा देने पर उनके ध्यान ने सामाजिक परिवर्तन के महत्वपूर्ण साधनों के रूप में सहकारी समितियों के लिए उनके समर्थन को रेखांकित किया।

### **आईसीए-एशिया प्रशांत का विकास और भारत की भूमिका**

शुरू में आईसीए आरओईसी दो अलग-अलग संस्थानों - क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षा केंद्र - के रूप में अपने स्वयं के नेतृत्व संरचनाओं के साथ संचालित होता था। हालाँकि 1963 में दोनों संस्थाओं को एक ही संस्था बनाने के लिए विलय कर दिया गया, जिसे आईसीए क्षेत्रीय कार्यालय और शिक्षा केंद्र के रूप में जाना जाता है। इस पुनर्गठन ने भविष्य के विस्तार की नींव रखी और बेहतर समन्वय और सुव्यवस्थित संचालन की अनुमति दी।

1970 में संस्था के प्रमुख को क्षेत्रीय निदेशक के रूप में नामित किया गया और कार्यालय का विकास जारी रहा। पिछले कुछ वर्षों में आईसीए-एपी का दायरा पूरे एशिया और प्रशांत क्षेत्र तक विस्तृत हो गया और 1990 तक संगठन का नाम बदलकर अंतर्राष्ट्रीय सहकारी गठबंधन एशिया-प्रशांत (आईसीए-एपी) कर दिया गया ताकि इसके विस्तारित जनादेश को दर्शाया जा सके।

नई दिल्ली में आईसीए-एपी कार्यालय इस क्षेत्र में आईसीए के संचालन के लिए केंद्रीय केंद्र बना हुआ है। यह क्षमता निर्माण पहलों की देखरेख करता है, तकनीकी सहायता प्रदान करता है और सहकारी-अनुकूल नीतियों की वकालत करता है। भारत ने आईसीए-एपी के विकास और रणनीतिक दिशा को निर्देशित करने में लगातार प्रभावशाली भूमिका निभाई है। इससे अनेक क्षेत्रों में सहकारी समितियों को फलने-फूलने में मदद मिली है।

### **आईसीए-एपी की शासन संरचना**

आईसीए-एपी आईसीए की वैश्विक शासन संरचना के बड़े ढांचे के भीतर काम करता है। इसमें क्षेत्र में सदस्य संगठनों के बीच प्रभावी सहयोग और निर्णय लेने को सुनिश्चित करने के लिए डिज़ाइन किए गए विभिन्न निकाय शामिल हैं:

**क्षेत्रीय सभा:** यह सर्वोच्च नीति निकाय है, जिसमें सभी आईसीए सदस्य संगठन भाग लेते हैं। यह क्षेत्रीय कार्यालय का मार्गदर्शन करने और क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने, आईसीए महासभा को सिफारिशें करने के लिए जिम्मेदार है।

**क्षेत्रीय बोर्ड:** क्षेत्रीय बोर्ड क्षेत्रीय सभा द्वारा बनाई गई नीतियों और निर्णयों के कार्यान्वयन का समर्थन करता है, यह सुनिश्चित करता है कि आईसीए-एपी के लक्ष्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जाए।

**क्षेत्रीय और विषयगत समितियाँ:** ये समितियाँ कृषि, वित्त, आवास और सतत विकास जैसे विशिष्ट क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती हैं। इनका काम क्षेत्रीय आवश्यकताओं को संबोधित करने और सहकारी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय है।

इन निकायों में भारत की भागीदारी ने सुनिश्चित किया है कि इसके हितों का अच्छी तरह से प्रतिनिधित्व किया जाता है और यह क्षेत्र में सहकारी आंदोलन को आकार देने के प्रयासों का नेतृत्व करना जारी रखता है।

### **आईसीए-एपी और सहकारी आंदोलन में भारत का योगदान**

भारत का सहकारी आंदोलन इसके सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने में गहराई से समाया हुआ है। यह एकता, पारस्परिक सहायता और सामूहिक समृद्धि के मूल्यों को दर्शाता है। वसुधैव कुटुम्बकम् का प्राचीन भारतीय सिद्धांत - "दुनिया एक परिवार है" - भारत में सहकारी आंदोलन के पीछे एक मार्गदर्शक शक्ति रहा है। यह एकजुटता और पारस्परिक समर्थन पर बल देता है।



भारत में सहकारी क्षेत्र कृषि, बैंकिंग, आवास और ग्रामीण विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में फैला हुआ है। सहकारिता हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने, संसाधनों तक पहुँच प्रदान करने और ग्रामीण आर्थिक विकास में योगदान देने में सहायक रही है। भारत का राष्ट्रीय सहकारी आंदोलन दुनिया में सबसे बड़ा और सबसे विविध है। इसमें लाखों लोग और कई क्षेत्र शामिल हैं।

भारत सरकार ने सहकारी मॉडल का समर्थन करने में सक्रिय भूमिका निभाई है। 2021 में सहकारी क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए सहकारिता मंत्रालय की स्थापना की गई थी। मंत्रालय का दृष्टिकोण एक सहकारी-संचालित आर्थिक मॉडल को बढ़ावा देना है जो हर गाँव तक पहुँचता है, क्षेत्रों में सामाजिक और आर्थिक बंधन को मजबूत करता है।

### भारत में सहकारिता के प्रकार

भारत में विविध सहकारिताएँ हैं, जो कई तरह के उद्देश्यों और क्षेत्रों की सेवा करती हैं। सहकारी समितियों के कुछ प्रमुख प्रकार में शामिल हैं:

**उपभोक्ता सहकारी समितियाँ:** ये बिचौलियों को खत्म करते हुए उचित मूल्य पर उपभोक्ता वस्तुएँ उपलब्ध कराती हैं। जैसे केंद्रीय भंडार और अपना बाज़ार।

**उत्पादक सहकारी समितियाँ:** ये कच्चे माल और उपकरण उपलब्ध कराकर छोटे उत्पादकों का समर्थन करती हैं। जैसे एपीपीको और हरियाणा हैंडलूम।

**सहकारी विपणन समितियाँ:** ये छोटे उत्पादकों को सामूहिक रूप से अपने माल का विपणन करने में सहायता करती हैं। गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ, अमूल इसका प्रमुख उदाहरण है।

सहकारी ऋण समितियाँ: ये जमा स्वीकार करके तथा उचित ब्याज दरों पर ऋण प्रदान करके सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान करती हैं।

सहकारी कृषि समितियाँ: ये छोटे किसानों को सामूहिक कृषि पद्धतियों, जैसे लिफ्ट-सिंचाई सहकारी समितियों से लाभ उठाने में सक्षम बनाती हैं।

आवास सहकारी समितियाँ: ये सदस्यों के लिए भूमि खरीदकर तथा उसका विकास करके किफायती आवास विकल्प प्रदान करती हैं।

## निष्कर्ष

आईसीए-एशिया प्रशांत क्षेत्र में भारत की भूमिका न केवल 1960 में नई दिल्ली में आईसीए क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना के माध्यम से बल्कि एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सहकारिता को बढ़ावा देने में अग्रणी के रूप में भी महत्वपूर्ण रही है। सरकार और नागरिक समाज दोनों द्वारा समर्थित भारतीय सहकारिता आंदोलन, क्षेत्र के अन्य देशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करना जारी रखता है। आईसीए-एपी में अपनी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से, भारत ने क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सहकारी विकास को आकार देने में मदद की है। इससे सामाजिक और आर्थिक विकास के साधन के रूप में सहकारी समितियों के महत्व को बल मिला है।

भारत 2024 में आईसीए वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है, सहकारी आंदोलन में इसका निरंतर नेतृत्व समावेशी विकास को बढ़ावा देने और अधिक न्यायसंगत समाज के निर्माण में सहकारी समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है।

## संदर्भ:

<https://www.icaap.coop/aboutus-ica-asia-pacific>

<https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2024/nov/doc20241114434901.pdf>

<https://ica.coop/en/about-us/international-cooperative-alliance>

Download in PDF

\*\*\*

एमजी/ केसी/एसके

(Features ID: 153448)